

Absolute Truth

Know God Know Truth

Monthly Newsletter of ISKCON Delhi-NCR



News

Gaura Lila (2nd-4th Feb) (ISKCON, Dwarka)

The devotees of ISKCON Dwarka were blessed with a golden opportunity to immerse themselves in the divine teachings of Gaura Lila through a special lecture series by H.G. Ananga Mohan Prabhu, the Vice President of ISKCON Kolkata. This enlightening series, held over two days, offered sessions both in morning and evening, ensuring that every devotee could partake in this sacred experience. The devotees were truly fortunate to relish the profound insights and devotional wisdom shared by such an exalted devotee, deepening their understanding and love for Lord Gauranga's pastimes.

Appearance of Srila Raghunatha Dasa Goswami (3rd February) (ISKCON, East of Kailash)

Srila Raghunatha Dasa Goswami's appearance was celebrated with Pushpanjali and kirtan. Devotees prayed to the acharya for mercy and favour to advance in devotional life.

International Value Education Olympiad inspires Leaders in Mayapur (ISKCON, Punjabi Bagh)

H.G. Karuna Chandra Das (Head - International Value Education Olympiad, and Vice-President, ISKCON Punjabi Bagh) delivered a special session at the ISKCON Leadership Summit at Mayapur this year. The session focussed on the success of the Olympiad in imparting spiritual values to the participants while developing a new channel for book distribution. As part of the Olympiad, lakhs of books reach homes through students who register for the Olympiad. These books are sponsored by several donors during the Gita Book Distribution Marathon month. Through this effort, the Bhagavad Gita reaches the remotest corners of the country. Collaborations with national not for profit chain of schools like Eklavya, Jawahar Navodaya Vidyalaya, and Vidya Bharti help distribute the Bhagavad Gita As It Is to children from households that are difficult to connect with.



समाचार

गौर लीला (2-4 फरवरी) (इस्कॉन, द्वारका)

इस्कॉन द्वारका के भक्तों को इस्कॉन कोलकाता के उपाध्यक्ष श्रीमान अनंग मोहन प्रभु द्वारा एक विशेष व्याख्यान श्रृंखला के माध्यम से गौर लीला की दिव्य शिक्षाओं में आप्लावित होने का सुनहरा अवसर प्राप्त हुआ। दो दिनों तक आयोजित इस ज्ञानवर्धक श्रृंखला में प्रातः एवं संध्या दोनों काल में सत्र आयोजित किए गए, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि प्रत्येक भक्त इस पवित्र अनुभव में भाग ले सके। भक्त वास्तव में भाग्यशाली थे कि उन्हें ऐसे महान भक्त द्वारा साझा की गई गहन अंतर्दृष्टि और भक्ति ज्ञान का आनंद मिला, जिससे भगवान् गौरांग की लीलाओं के प्रति उनकी समझ तथा प्रेम और गहन हो गया।

श्रील रघुनाथ दास गोस्वामी का आविर्भाव (3 फरवरी) (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

पुष्पानजलि और कीर्तन के साथ श्रील रघुनाथ दास गोस्वामी का आविर्भाव दिवस महोत्सव मनाया गया। भक्तों ने भक्तिमय जीवन में उन्नति हेतु आचार्य से दया और अनुग्रह की प्रार्थना की।

अंतर्राष्ट्रीय मूल्य शिक्षा ओलंपियाड, मायापुर में नेतृत्व को प्रेरित करता है (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

श्रीमान करुणा चंद्र दास (अंतर्राष्ट्रीय मूल्य शिक्षा ओलंपियाड प्रमुख एवं इस्कॉन पंजाबी बाग उपाध्यक्ष) ने इस वर्ष मायापुर में इस्कॉन लीडरशिप शिखर सम्मेलन में एक विशेष सत्र प्रस्तुत किया। सत्र पुस्तक वितरण हेतु एक नवीन प्रणाली विकसित करते हुए प्रतिभागियों को आध्यात्मिक मूल्य प्रदान करने में ओलंपियाड की सफलता पर केंद्रित था। ओलंपियाड के अंतर्गत, इसके लिए पंजीकरण कराने वाले छात्रों के माध्यम से लाखों किताबें उनके घरों तक पहुँचती हैं। इन पुस्तकों को गीता पुस्तक वितरण मैराथन माह के दौरान कई दानदाताओं द्वारा प्रायोजित किया गया है। इस प्रयास के माध्यम से, भगवद गीता देश के सुदूर कोनों तक पहुँचती है। एकलव्य, जवाहर नवोदय विद्यालय और विद्या भारती जैसे गैर-लाभकारी स्कूलों की राष्ट्रीय गैर-लाभकारी श्रृंखला के सहयोग से उन घरों के बच्चों को भगवद गीता यथारूप वितरित करने में सहायता मिलती है, अन्यथा जिनके साथ जुड़ना कठिन होता है।

✿ Visit by H.H. Krishna Chaitanya Swami Maharaja (7th- 8th Feb) (ISKCON, Dwarka)

H.H. Krishna Chaitanya Swami Maharaj graced the devotees of ISKCON Dwarka with his divine presence by giving insightful morning Bhagavatam lectures. Through these teachings, Maharaja shared profound and in-depth knowledge of bhakti, guiding the devotees on how to deepen their devotion and connect more intimately with Lord Krishna.

✿ Deity Jewellery Making workshop (9th Feb) (ISKCON, Punjabi Bagh)

A deity jewellery-making session was held at Srila Prabhupada Hall, led by H.G. Gopi Mandala Mataji. The event was organized by the ISKCON Girls' Forum (IGF), a dedicated platform for engaging young female devotees in devotional activities. 12 devotees gathered, to learn the art of crafting beautiful necklaces, earrings, and bracelets, emphasizing the devotional aspect of creating ornaments for their home deities. The session was filled with creativity, joy, and a sense of shared purpose as devotees carefully selected beads and threads, exchanging ideas and helping one another. Many expressed their happiness in this fulfilling hands-on seva, which allowed them to connect with Krishna in a unique and personal way.

✿ Nityananda Trayodashi (10th February) (ISKCON, East of Kailash)

Lord Nityananda accompanied Chaitanya Mahaprabhu in the dark age of Kali, in order to establish the yugadharm of chanting the holy names of the Lord. He is Lord Balarama Himself: the Adi-Guru, repository of spiritual strength and will. His appearance is with the goal of attracting the unfortunate and fallen inhabitants of Kali, with His beauty, pastimes and compassion. He delivered Jaghai and Madhai, the greatest of rogues, making them into Vaishnavas. He established how due to the simple process of following Mahaprabhu, the jivas in Kaliyuga could attain the love of Godhead, greatest of all sublime destinations.

His appearance was celebrated with spiritual fervour. The festivities began with a Shobha Yatra on the campus of the temple. This was followed by an Adivasa ceremony on 9th February. The Sunday crowd was enthralled by



✿ परम पूज्य कृष्ण चैतन्य स्वामी महाराज का दौरा (7-8 फरवरी) (इस्कॉन, द्वारका)

परम पूज्य कृष्ण चैतन्य स्वामी महाराज ने प्रातःकालीन भागवत प्रवचन देकर इस्कॉन द्वारका के भक्तों को अपनी दिव्य उपस्थिति से प्रसन्न किया। इन शिक्षाओं के माध्यम से, महाराज ने भक्ति का अगाध एवं प्रगाढ़ ज्ञान साझा किया, भक्तों को उनकी भक्ति को और गहन करने और भगवान् कृष्ण के साथ अधिक निकटता से जुड़ने के विषय में मार्गदर्शन दिया।

✿ अर्च विग्रह आभूषण निर्माण कार्यशाला (9 फरवरी) (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

श्रीमती गोपी मंडल माताजी के नेतृत्व में श्रील प्रभुपाद हॉल में एक अर्च विग्रह आभूषण-निर्माण सत्र आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम इस्कॉन गर्ल्स फोरम (आईजीएफ) द्वारा आयोजित किया गया था, जो युवा महिला भक्तों को भक्ति गतिविधियों में शामिल करने हेतु एक समर्पित मंच है। अपने घरेलू भगवद विग्रहों हेतु आभूषण निर्माण के भक्ति पहलू पर बल प्रदान करते हुए, सुंदर हार, झुमके और कंगन बनाने की कला सीखने हेतु 12 भक्त एकत्र हुए। सत्र रचनात्मकता, आनंद और कला साझा करने की भावना से ओत-प्रोत था क्योंकि भक्तों ने सावधानीपूर्वक मोतियों और धागों का चयन किया, विचारों का आदान-प्रदान किया और एक दूसरे की सहायता की। कई भक्तों ने बताया कि इस व्यावहारिक सेवा में शामिल होना कितना संतुष्टिदायक था, जिसने उन्हें एक अनोखे और व्यक्तिगत विधि से कृष्ण के साथ जुड़ने की अनुमति प्रदान की।



✿ नित्यानंद त्रयोदशी (10 फरवरी) (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

भगवान् के पवित्र नामों का जप करने के युगधर्म को स्थापित करने हेतु, भगवान् नित्यानंद गहन कलिकाल में चैतन्य महाप्रभु के साथ आये। आध्यात्मिक शक्ति एवं इच्छाशक्ति के भंडार वह स्वयं आदि-गुरुः भगवान्





बलराम हैं। उनका प्राकट्य कलियुग के दुर्भाग्यशाली और पतित जीवों को अपनी सुंदरता, लीलाओं और करुणा से आकर्षित करने के लक्ष्य से हुआ है। उन्होंने जगाई और मधाई का उद्धार किया जो सबसे बड़े अधर्मी थे और उन्हें वैष्णव बना दिया। उन्होंने स्थापित किया कि कैसे महाप्रभु का अनुसरण करने की सरल प्रक्रिया के कारण, कलियुग में जीव भगवद प्रेम प्राप्त कर सकते हैं, जो सभी उत्कृष्ट गंतव्यों में से सबसे उन्नत है।

उनका प्राकट्य आध्यात्मिक उत्साह के साथ मनाया गया। उत्सव का आरम्भ मंदिर परिसर में शोभा यात्रा से हुआ। इसके पश्चात 9 फरवरी को आदिवास समारोह आयोजित किया गया। कीर्तन और मंत्रोच्चार के मध्य आयोजित इस सुभग समारोह से रविवार की भीड़ मंत्रमुग्ध हो गई। विग्रहों के भव्य अभिषेक का आयोजन किया गया। भक्तों ने भगवान् की प्रसन्नता हेतु नृतन एवं गायन किया। परम आराध्य भगवान् को सुबह फूलों से बनी पोशाक और संध्या को सूखे मेवों से बनी पोशाक से अलंकृत किया गया। ये पोशाकें भक्तों के हाथों से प्रेमपूर्वक बनाई गई थीं, जिन्हें उन्हीं की कृपा से भगवान् की सेवा करने का अवसर प्राप्त हुआ था।

🌸 नित्यानंद त्रयोदशी (9-10 फरवरी) (इस्कॉन, द्वारका)

भगवान् नित्यानंद का प्राकट्य उत्सव 9 फरवरी से प्रारम्भ होकर 10 फरवरी तक के दो दिवसीय उत्सव के रूप में मनाया गया। इस उत्सव में वरिष्ठ भक्तों के द्वारा भगवान् की गौरवशाली लीलाओं का श्रवण शामिल था। अमृतमयि कथा ने प्रत्येक भक्त अथवा यहाँ तक कि गैर-भक्त के हृदय को भी नित्यानंद प्रभु की महिमा के शुद्ध आनंद से प्रसन्न किया। नित्यानंद प्रभु किस प्रकार सभी को बिना उनकी योग्यता के क्रम के ही कृष्ण नाम देना चाहते हैं, इसकी महिमा ने सभी को मंत्रमुग्ध कर

this beautiful ceremony, performed amidst kirtan and chanting. An elaborate abhishek was conducted. Devotees sang and danced for the pleasure of the Lord. Their Lordships were adorned with a dress made of flowers in the morning and a dress made of dry fruits in the evening. These dresses were lovingly made by the hands of the devotees, who took the opportunity to serve the Lord.

🌸 Nityananda Trayodashi (9th-10th Feb) (ISKCON, Dwarka)

The appearance day of Lord Nityananda was celebrated with a 2-day festival starting from 9th Feb to 10th Feb. The festival involved hearing glorious pastimes by senior devotees. The Nectarian katha graced the hearts of every devotee or even non-devotee with the pure bliss of glories of Nityananda Prabhu. The glories of how Nityananda Prabhu wants to give the name of Krishna to everyone irrespective of his qualifications, mesmerized everyone. Each lecture was followed by a sumptuous prasadam.

ISKCON DWARKA CELEBRATING
SRI NITYANANDA TRAYODASHI
The Divine Appearance Day of Lord Nityananda Prabhu
10th Feb 2025, Monday

Celebration

9th Feb - Adivas	7:00PM
10th Feb	
Enlightening Discourse	8:00AM
Kirtan Mela Starts From	4:00PM
Abhishek	6:00PM
Bhoga Offering	7:30PM
Cake Cutting	7:45PM
Maha Aarti	8:30PM

Feast prasadam for all

Mercy of Lord Nityananda

"If you sincerely cry for the mercy of Lord Nityananda, then you will surely be able to cross the ocean of material existence and reach the eternal service of Lord Chaitanya."
-HDG A.C. Bhaktivedanta Swami Prabhupada
(Lecture, London, September 1973)

The smiling faces showed how devotees were relishing everything. On the appearance day of Nityananda Prabhu, there was Abhishek, Bhoga offering, and Arati.

✿ IYF BACE celebrated a special Nityananda Trayodashi (ISKCON, Punjabi Bagh)

The young boys' BACE in Punjabi Bagh organized its first-ever full-scale Nityananda Trayodashi festival. As part of the celebrations, all the resident boys decorated the entire BACE, dressed the deities opulently, prepared 56 offerings on their own, and organized a flower abhishek, evening kirtan, and katha. The residents of the BACE have a busy lifestyle with office meetings or college sessions occupying their days. Even though the festival was on a weekday, the youth took time off to dedicate the day to the festival.



✿ Visit by H.H. Bhakti Vijnana Goswami Maharaja (13th Feb) (ISKCON, East of Kailash)

The devotees of Delhi were truly blessed by the scholarly, sincere, and magnanimous presence of H.H. Bhakti Vijnana Goswami Maharaja. Renowned worldwide for his profound scholarly presentations, Maharaja's visit was a great source of inspiration. The devotees deeply relished his association, absorbing the wisdom and devotion he so generously shared.

दिया। प्रत्येक प्रवचन के पश्चात एक शानदार भोज प्रसादम दिया गया। प्रसन्नचित्त चेहरों से पता चला कि भक्त हर चीज़ का आनंद ले रहे थे। नित्यानंद प्रभु के प्राकट्य दिवस पर अभिषेक, भोग अर्पण और आरती हुई।

✿ आई वाई एफ बेस ने एक विशेष नित्यानंद त्रयोदशी मनाई (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

पंजाबी बाग में युवा बालकों के बेस ने पूर्ण-क्षमता के साथ अपना प्रथम नित्यानंद त्रयोदशी महोत्सव आयोजित किया। उत्सव के भाग के रूप में, सभी निवासी लड़कों ने पूरे बेस को सजाया, विग्रहों को शानदार पोशाकें पहनाईं, स्वयं 56 भोग तैयार किए, और पुष्पाभिषेक, संध्या कीर्तन एवं कथा का आयोजन किया। बेस के निवासी भक्तों की व्यस्त जीवनशैली है, जिसमें कार्यालय की बैठकें अथवा कॉलेज के सत्र उनके दिनों को व्यस्त बनाते हैं। भले ही त्योहार कार्यदिवस पर था, युवाओं ने उस दिन को दयालु भाइयों में से बड़े भाई को समर्पित करने हेतु समय निकाला।

✿ परम पूज्य भक्ति विज्ञान गोस्वामी महाराज की यात्रा (13 फरवरी)

(इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

दिल्ली के भक्तगण, परम पूज्य भक्ति विज्ञान गोस्वामी महाराज की विद्वतापूर्ण, निष्ठावान एवं उदार उपस्थिति से वास्तव में धन्य हुए। अपनी गहन विद्वतापूर्ण प्रस्तुतियों हेतु संसार भर में प्रसिद्ध महाराज की यात्रा प्रेरणा का एक बड़ा स्रोत रही। भक्तों ने उनकी संगति का बहुत आनंद लिया, उनके द्वारा उदारतापूर्वक साझा किए गए ज्ञान और भक्ति को आत्मसात कर लिया।



✿ **Visit by H.H. Lokanath Swami Maharaja**
(14th -15th Feb)
(ISKCON, East of Kailash)

The visit of H.H. Lokanath Swami Maharaja filled the hearts of devotees with joy and inspiration. His soul-stirring kirtanas and enlightening lectures deeply impact everyone. Maharaja shares a special affection for the Delhi devotees, and despite his short visit, he generously gave his association through a Śrīmad-Bhāgavatam discourse, uplifting and guiding all who attended.



✿ **Visit by the Sannyasis from Akshar Dhama Temple**
(15th Feb)
(ISKCON, East of Kailash)

100 sannyāsīs from the Akshardham Temple visited ISKCON Delhi, where they had the divine darśana of the presiding Deities and explored the temple premises. They were deeply pleased and spiritually enriched by the beautiful Deities and the sacred atmosphere of the temple.



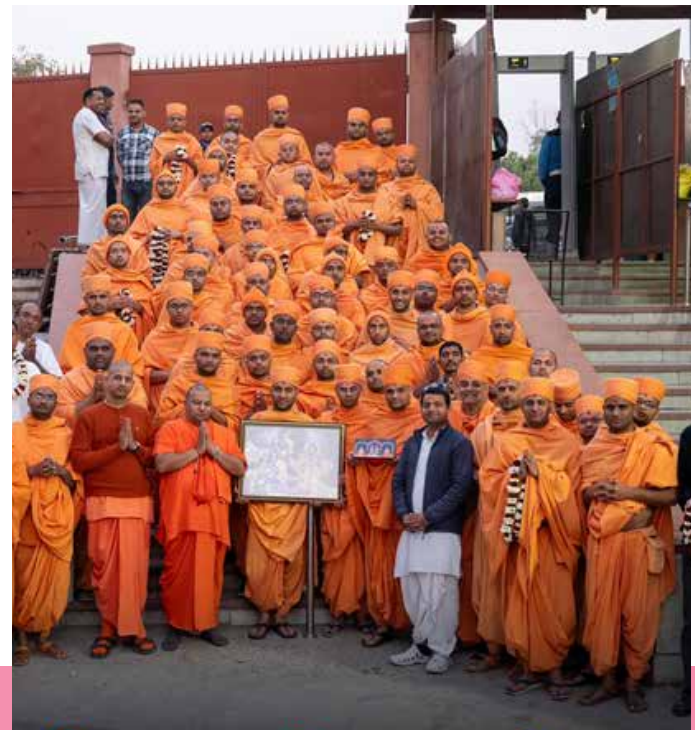
✿ **परम पूज्य लोकनाथ स्वामी महाराज की यात्रा (14-15 फरवरी)**
(इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

परम पूज्य लोकनाथ स्वामी महाराज की यात्रा ने भक्तों के हृदयों को प्रसन्नता एवं प्रेरणा से आप्लावित कर दिया। उनके आत्मा को छू लेने वाले कीर्तन और ज्ञानवर्धक प्रवचन हर किसी पर गहरा प्रभाव डालते हैं। महाराज का दिल्ली के भक्तों के प्रति विशेष स्नेह है, और अपनी लघु यात्रा के उपरान्त भी, उन्होंने श्रीमद्-भागवतम् प्रवचन के माध्यम से उदारतापूर्वक अपना संग प्रदान किया, जिसने सभी उपस्थित जनों का उत्साहवर्धन एवं मार्गदर्शन किया।



✿ **अक्षर धाम मंदिर के संन्यासियों द्वारा मंदिर दर्शन (15 फरवरी)**
(इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

अक्षरधाम मंदिर के 100 संन्यासियों ने इस्कॉन दिल्ली का दौरा किया, जहाँ उन्होंने विग्रहों के दिव्य दर्शन किए और मंदिर परिसर का भ्रमण किया। वे सुंदर विग्रहों के दर्शन और मंदिर के पवित्र वातावरण से बहुत प्रसन्न और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध हुए।



❁ Special Lecture by H.H. Lokanath Swami Maharaja (15th Feb) (ISKCON, Dwarka)

The devotees were blessed by the presence and association of H.H. Lokanath Swami Maharaja. Maharaja has spread the holy name of the Lord across the world through his melodious kirtans and graced the devotees with his divine association. His presence was a source of immense inspiration, as he shared lifetime teachings of Bhakti, emphasizing how one can make their life successful by striving towards Krishna prema. His words touched the hearts of all present, reminding them of the ultimate goal of life—attaining the loving embrace of the Supreme Lord.

❁ Temple Expansion in Full Swing (ISKCON, Punjabi Bagh)

The temple expansion at ISKCON Punjabi Bagh is progressing quickly in its first phase. The initial steps of the project include preparing the adjacent new plot for construction and clearing the façade of the current temple to accommodate the makeshift altar. The façade has been grounded with facilities like Govindas and Matchless Gifts moving on the outside. The project entails expanding the temple into its adjacent plot and renovating the existing temple into a completely new structure. The project is likely to be completed in 3 years and will have all state of art facilities for devotees and residents of the temple, along with a beautiful altar and temple room.



❁ Appearance of Srila Bhaktisiddhanta Sarasvati Thakura (17th February) (ISKCON, East of Kailash)

The appearance of Srila Bhaktisiddhanta Sarasvati Thakura was celebrated with Pushpanjali, amidst kirtan



❁ परम पूज्य लोकनाथ स्वामी महाराज द्वारा विशेष प्रवचन (15 फरवरी) (इस्कॉन, द्वारका)

परम पूज्य लोकनाथ स्वामी महाराज की उपस्थिति एवं उनके संग से भक्त धन्य हुए। महाराज ने अपने सुमधुर कीर्तन के माध्यम से भगवान् के पवित्र नाम को संसार भर में फैलाया और भक्तों को अपनी दिव्य संगति से गौरवान्वित किया। उनकी उपस्थिति अत्यधिक प्रेरणा का स्रोत थी, क्योंकि उन्होंने भक्ति की जीवन भर की शिक्षाओं को साझा किया, इस बात पर बल दिया कि कैसे कृष्ण प्रेम की दिशा में प्रयास करके कोई अपने जीवन को सफल बना सकता है। उनके शब्दों ने उपस्थित सभी लोगों के हृदयों को छू लिया, और उन्हें जीवन के परम लक्ष्य-परमेश्वर के प्रेमपूर्ण आलिंगन को प्राप्त करने का स्मरण करा दिया।

❁ मंदिर का विस्तार जोरों पर (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

इस्कॉन पंजाबी बाग में मंदिर का विस्तार पहले चरण में शीघ्रता से चल रहा है। परियोजना के प्रारंभिक चरणों में निर्माण हेतु निकटवर्ती नए भूखंड को तैयार करना और अस्थायी वेदी को समायोजित करने हेतु वर्तमान मंदिर के अग्रभाग को साफ़ करना शामिल है। गोविंदा और मैचलेस गिफ्ट्स जैसी सुविधाओं को बाहर की ओर लाकर अग्रभाग को गिरा दिया गया है। इस परियोजना में मंदिर को उसके निकटवर्ती भूखंड में विस्तारित करना एवं वर्तमान मंदिर को पूर्ण रूप से नवीन संरचना में पुनर्निर्मित करना शामिल है। यह परियोजना 3 वर्षों में पूर्ण होने की संभावना है और इसमें एक सुंदर वेदी और मंदिर दक्ष के साथ-साथ भक्तों और मंदिर के निवासियों हेतु सभी अत्याधुनिक सुविधाएं होंगी।

❁ श्रील भक्तिसिद्धान्त सरस्वती ठाकुर का आविर्भाव दिवस (17 फरवरी) (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

कीर्तन और मंत्रोच्चार के मध्य पुष्पांजलि अर्पण के साथ श्रील भक्तिसिद्धान्त सरस्वती ठाकुर का प्राकट्य उत्सव मनाया गया। इस्कॉन के पितामह ने वैष्णव संप्रदाय में व्याप्त अनाचार के खिलाफ बिगुल बजाया। उनकी उपस्थिति पवित्रता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का स्मरण कराती है, जो मानव जीवन की पूर्णता को वास्तविकता बनाती है।



and chanting. The grandsire of ISKCON sounded the bugle against the malpractices that had crept into the Vaishnava sampradaya. His appearance is a reminder of his commitment to purity, making perfection of the human life a reality.

🌸 Book Distribution Travelling Party reaches Maha Kumbh (ISKCON, Punjabi Bagh)

As part of the ISKCON India centralized book distribution initiative, devotees from ISKCON Punjabi Bagh's book distribution bus party spent 2 weeks at the Kumbh distributing Srila Prabhupada's small books and Bhagavad Gita As It Is. Devotees attracted several pilgrims to the bookstall by announcing Free Gita. Any pilgrim could buy a 20 rupee small Prabhupada book, along with which he would also receive the Bhagavad Gita As It Is for free. Pamphlets that detailed the life and contributions of Srila Prabhupada were also given along with the Gita and the small book. ISKCON India had set a target to distribute 5 lakh Gitas at the Maha Kumbh in Prayagraj.

🌸 Visit by H.H. Carudesna Swami Maharaja (18th -20th Feb) (ISKCON, East of Kailash)

February holds a special significance for the devotees of the Delhi region, as many sannyāsīs and senior devotees pass through on their way to Māyāpur for the Gaura Pūrṇimā festival. Their presence is a great blessing, not only through their association but also through their wisdom and realizations. Among them, H.H. Carudesna Swami Maharaja captivated the devotees with his soulful kīrtana, gentle presence, and an enlightening Śrīmad-Bhāgavatam discourse, leaving everyone spiritually uplifted and inspired.



🌸 Hare Krishna Sunday School is showing the way to parents (ISKCON, Punjabi Bagh)

Hare Krishna Sunday School organized insightful sessions with child psychologist Shweta Singh, Sevamurti



🌸 पुस्तक वितरण यात्रा दल महाकुंभ पहुँचा (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

इस्कॉन भारत केंद्रीकृत पुस्तक वितरण पहल के भाग के रूप में, इस्कॉन पंजाबी बाग के पुस्तक वितरण बस दल के भक्तों ने कुंभ में श्रील प्रभुपाद की छोटी पुस्तकें और श्रीमद् भगवद् गीता यथारूप वितरित करते हुए 2 सप्ताह बिताए। श्रद्धालुओं ने फ्री गीता का उद्घोष कर कई श्रद्धालुओं को बुक स्टॉल की ओर आकर्षित किया। कोई भी तीर्थयात्री 20 रुपये की छोटी प्रभुपाद पुस्तक खरीद सकता है, जिसके साथ उसे श्रीमद् भगवद् गीता यथारूप भी निःशुल्क प्राप्त होगी। गीता और छोटी पुस्तक के साथ श्रील प्रभुपाद के जीवन और योगदान का विवरण देने वाले पर्चे भी दिए गए। इस्कॉन भारत ने प्रयागराज के महाकुंभ में 5 लाख गीता वितरित करने का लक्ष्य रखा था।

🌸 परम पूज्य चारुदेष्ण स्वामी महाराज की यात्रा (18-20 फरवरी) (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

दिल्ली क्षेत्र के भक्तों के लिए फरवरी माह एक विशेष महत्व रखता है, क्योंकि इस माह में कई संन्यासी और वरिष्ठ भक्त गौर पूर्णिमा उत्सव के लिए यहाँ होकर ही मायापुर जाते हैं। उनकी उपस्थिति न केवल उनके संग के माध्यम से बल्कि उनकी बुद्धिमत्ता और अनुभूतियों के माध्यम से भी एक महान आशीर्वाद है,। उनमें से परम पूज्य चारुदेष्ण स्वामी महाराज ने अपने भावपूर्ण कीर्तन, सौम्य उपस्थिति और ज्ञानवर्धक श्रीमद्-भागवतम प्रवचन से भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया, जिससे कि सभी आध्यात्मिक रूप से उत्साहित और प्रेरित हुए।



🌸 हरे कृष्ण संडे स्कूल अभिभावकों का मार्ग दर्शन कर रहा है (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

हरे कृष्ण संडे स्कूल ने माता-पिता को पालन-पोषण की चुनौतियों

Radhika Devi Dasi, to guide parents on effectively handling parenting challenges. Under this initiative, two exclusive sessions were conducted—one at NC Jindal Public School and the other at Bosco Public School—each attended by over 50 parents. The discussions during the sessions focused on day-to-day challenges faced by parents like lack of concentration, indiscipline, behavioural changes among kids, instances of aggression, and law-breaking tendencies. H.G. Sevamurti Radhika Devi Dasi provided practical and effective solutions that parents could easily implement, like ways to build a strong parent-child rapport, effective communication with teenagers, career counselling, and alternative approaches to discipline. Parents appreciated the session's engaging and solution-oriented approach. The session emphasized practical parenting techniques over traditional lecturing methods, helping parents understand and connect with their children more effectively.



Special Lecture Series by H.H. Bhakti Dhira Damodara Swami Maharaja (19th -21st February) (ISKCON, Dwarka)

H.H. Bhakti Dhira Damodara Swami Maharaja showered the nectarean mercy of Krishna Katha over the devotees of ISKCON Dwarka. Many devotees attended the Katha in the temple for a whole 2 days and hundreds of devotees tuned in to the ISKCON Dwarka YouTube channel to attend the same.

Congregation's Trip to the South (ISKCON, Punjabi Bagh)

A group of 160 devotees from ISKCON Punjabi Bagh traveled to Vishakhapatnam, for a yatra exploring places of Sri Chaitanya Mahaprabhu's pastimes. The group was guided by H.G. Rukmini Krsna Das and H.G. Murali Krishna Das. Keeping their base as Vishakhapatnam, devotees traveled through the day to Simachalam, Kurma Ksetra, and Rajahmundry respectively. The last day was spent in Vishakhapatnam exploring the local temple campus and city. Simachalam is home to Laxmi Varaha Narasimha Dev temple, Kurma Kshetra is the holy place where Sri Chaitanya Mahaprabhu met Vasudeva Vipra and Kurma Brahman, and Rajahmundry is home to the holy site where Mahaprabhu interacted with Ramananda

से प्रभावी ढंग से निपटने को, मार्गदर्शन हेतु बाल मनोवैज्ञानिक श्वेता सिंह, सेवामूर्ति राधिका देवी दासी के साथ व्यावहारिक सत्र आयोजित किए। इस पहल के अंतर्गत, दो विशेष सत्र आयोजित किए गए – पहला एन. सी. जिंदल पब्लिक स्कूल में और दूसरा बोस्को पब्लिक स्कूल में - प्रत्येक में 50 से अधिक अभिभावकों ने भाग लिया। सत्र के दौरान चर्चा, माता-पिता के सामने आने वाली दिन-प्रतिदिन की चुनौतियों, जैसे एकाग्रता की कमी, अनुशासनहीनता, बच्चों के व्यवहार में बदलाव, आक्रामकता एवं कानून तोड़ने की प्रवृत्ति पर केंद्रित थी। श्रीमती सेवामूर्ति राधिका देवी दासी ने व्यावहारिक और प्रभावी समाधान प्रदान किए, जिन्हें माता-पिता आसानी से लागू कर सकते हैं, जैसे माता-पिता एवं बच्चों के संबंध को शक्तिशाली बनाने की विधि, किशोरों के साथ प्रभावी संचार, करियर परामर्श और अनुशासन के लिए वैकल्पिक दृष्टिकोण। अभिभावकों ने सत्र के आकर्षक और समाधान-उन्मुख दृष्टिकोण की सराहना की। सत्र में पारंपरिक व्याख्यान विधियों के बजाय व्यावहारिक पालन-पोषण की तकनीकों पर बल दिया गया, जिससे माता-पिता को अपने बच्चों को अधिक प्रभावी ढंग से समझने और उनसे जुड़ने में सहायता मिलेगी।

परम पूज्य भक्ति धीर दामोदर स्वामी महाराज द्वारा विशेष व्याख्यान श्रृंखला (19-21 फरवरी) (इस्कॉन, द्वारका)

परम पूज्य भक्ति धीर दामोदर स्वामी महाराज ने इस्कॉन द्वारका के भक्तों पर कृष्ण कथा की अमृतमयी कृपा बरसाई। कई भक्तों ने पूरे 2 दिनों तक मंदिर में कथा में भाग लिया और सैकड़ों भक्तों ने इसमें भाग लेने के लिए इस्कॉन द्वारका यूट्यूब चैनल को देखा।

ISKCON DWARKA DELHI
Nourish Your Soul with Transcendental Wisdom
ISKCON Dwarka invites You To A Special Discourse By
His Holiness Bhakti Dhira Damodara Swami Maharaj

An Opportunity To.....

- ❖ Hear the Timeless Wisdom of Bhakti
- ❖ Elevate Your Consciousness With Spiritual Insights
- ❖ Strengthen Your Devotion to Sri Krishna

Date	Time	Venue
19 th Feb 2025	4:00 PM	Seminar Hall
20 th Feb 2025	4:00 PM	Seminar Hall
21 st Feb 2025	8:00 AM	Temple Hall

Followed By Snacks Prasadam
Come, listen, and be blessed

भक्त मण्डली की दक्षिण भारत यात्रा (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

इस्कॉन पंजाबी बाग से 160 भक्तों के एक समूह ने श्री चैतन्य महाप्रभु की लीलास्थलियों को खोजने हेतु विशाखापट्टनम की यात्रा की। समूह का मार्गदर्शन श्रीमान रुक्मिणी कृष्ण दास एवं श्रीमान मुरली कृष्ण दास द्वारा किया गया। विशाखापट्टनम को आधार बनाते हुए, भक्तों ने दिन भर क्रमशः सिम्हाचलम, कूर्म क्षेत्र और राजमुंदरी की यात्रा की। आखिरी दिन विशाखापट्टनम में स्थानीय मंदिर परिसर और नगर के अन्वेषण में बिताया गया। सिम्हाचलम, लक्ष्मी वराह नरसिम्ह देव मंदिर का घर है, कूर्म क्षेत्र वह पवित्र स्थान है जहाँ श्री चैतन्य महाप्रभु ने वासुदेव विप्र एवं कूर्म ब्राह्मण से भेंट की थी और राजमुंदरी वह पवित्र स्थल है जहाँ महाप्रभु ने रामानंद राय के साथ वार्ता की थी। विशाखापट्टनम में अपने प्रवास के



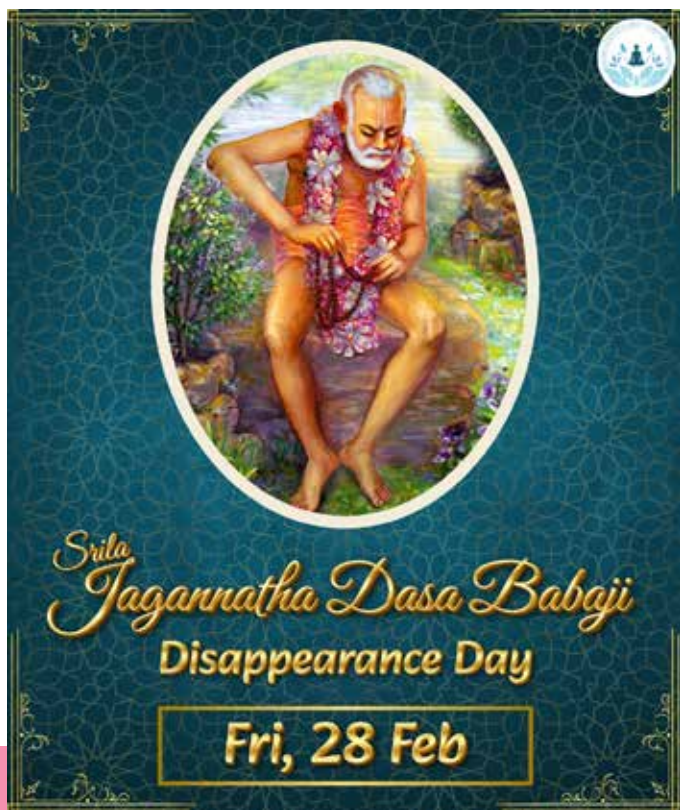
Raya. The devotees were also addressed by H.G. Samba Prabhu and H.G. Nitai Sevani Mataji during their stay in Vishakhapatnam.

✿ Maha Shivratri (26th Feb) (ISKCON, Dwarka)

“Vaishnavanam yatha Shambhu” – Maha Shivratri, the day to honor Lord Shiva, the greatest devotee of Lord Krishna, was celebrated on 26th February. The festival began with a special discourse about Lord Shiva, showing how he is the dearest devotee of the Lord. The celebration included circumambulating the temple with holy water from Mansarovar, followed by a special Abhishek of Sri Sri Gaura Nitai.

✿ Disappearance of Srila Jagannatha Dasa Babaji Maharaja (28th February) (ISKCON, East of Kailash)

Srila Jagannatha Dasa Babaji Maharaja is the epitome of devotional purity. He guided Srila Bhaktivinoda Thakura, in unearthing the places of the appearance of Chaitanya Mahaprabhu. It is by his mercy that devotees in the present day can visit and experience the holy and sublime land of Navadvipa. His disappearance was celebrated with Pushpanjali and Kirtan.



दौरान भक्तों को श्रीमान सांबा प्रभु एवं श्रीमती निताई सेवनी माताजी ने भी संबोधित किया।

✿ महा शिवरात्रि (26 फरवरी) (इस्कॉन, द्वारका)

“वैष्णवानाम यथा शम्भू” – भगवान् कृष्ण के सबसे बड़े भक्त भगवान् शिव के सम्मान का दिन, महा शिवरात्रि, 26 फरवरी को मनाया गया। उत्सव की शुरुआत भगवान् शिव के विषय में एक विशेष प्रवचन के साथ हुई, जिसमें बताया गया कि वह कैसे भगवान् के सबसे प्रिय भक्त हैं। उत्सव में मानसरोवर से पवित्र जल लेकर मंदिर की परिक्रमा करना, उसके बाद श्री श्री गौर निताई का विशेष अभिषेक शामिल था।

✿ श्रील जगन्नाथ दास बाबाजी महाराज का तिरोभाव दिवस (28 फरवरी) (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

श्रील जगन्नाथ दास बाबाजी महाराज आध्यात्मिक पवित्रता के प्रतीक हैं। उन्होंने श्री चैतन्य महाप्रभु की प्राकट्य स्थली का पता लगाने में श्रील भक्तिविनोद ठाकुर का मार्गदर्शन किया। यह उनकी ही कृपा है कि वर्तमान समय में भक्त नवद्वीप मण्डल की पवित्र और उत्कृष्ट भूमि की यात्रा एवं अनुभव कर पा रहे हैं। पुष्पांजलि और कीर्तन के साथ उनके तिरोभाव का उत्सव मनाया गया।



THE HIDDEN GLORY OF GAURA PURNIMA

Gaura Purnima is one of the most significant annual festivals for followers of the Brahma-Madhva-Gaudiya Vaishnava tradition. Celebrated with grandeur across the world, this festival marks the divine appearance of Sri Chaitanya Mahaprabhu, who is revered as a combined incarnation of Sri Radha and Sri Krishna.

According to Vedic scriptures such as the Srimad Bhagavatam, Lord Chaitanya is also known as Gauranga—meaning “the one with a golden complexion.” His advent was foretold in numerous scriptures, and His mission was to revive and spread the lost practice of bhakti-yoga, the science of pure devotion to Krishna.

The Appearance of Sri Chaitanya Mahaprabhu

In response to the earnest prayers of Sri Advaita Acharya, one of His most intimate associates, Lord Krishna Himself appeared in Navadvipa Dham, West Bengal, in the late 15th century as an ardent devotee of the Lord. His divine parents were Sri Jagannath Mishra and Srimati Sachidevi, and His birth took place under a neem tree, earning Him the childhood name “Nimai”.

At a time when Bengal was undergoing deep socio-political turmoil, Sri Chaitanya’s presence rejuvenated the spiritual consciousness of the people. His life and teachings infused self-respect, unity, and devotion among the masses, enabling countless individuals to



reconnect with their divine purpose.

The Mission of Lord Chaitanya

The core mission of Sri Chaitanya Mahaprabhu was to re-establish the lost relationship between the jivas (living entities) and the Supreme Lord, Sri Krishna. He initiated the sankirtana movement—a spiritual revolution that emphasized the congregational chanting of the holy names of the Lord:

*Hare Krishna Hare Krishna Krishna Krishna Hare Hare
Hare Rama Hare Rama Rama Rama Hare Hare*

By chanting this transcendental mantra, Sri Chaitanya taught that anyone—regardless of background, caste, or creed—could attain the highest perfection of life: Krishna-prema (pure love for God). He is often glorified as the most merciful incarnation of Krishna, distributing divine mercy freely to all without discrimination.

The Most Merciful Manifestation

Sri Chaitanya rejected all superficial social divisions and uplifted even the most fallen. Some of the most striking examples of His boundless mercy include:

- Delivering Chand Kazi, a Muslim ruler who initially opposed the sankirtana movement but later surrendered at Chaitanya’s feet.
- Liberating the cruel-hearted brothers, Jagai and





Madhai, and transforming them into saintly devotees.

- Empowering Rupa and Sanatana Goswamis, two high-ranking ministers, to become great spiritual leaders and authors.
- Elevating Haridas Thakur, a Muslim-born devotee, as the foremost exponent of the holy name.

Lord Chaitanya's Teachings: The Art of Living and Dying

Sri Chaitanya Mahaprabhu exemplified humility, tolerance, and devotion, emphasizing that one must cultivate the qualities of humbleness, pridelessness, and simplicity to make spiritual progress. He declared:

"Jīvera svarūpa haya—Kṛṣṇera nitya-dāsa"
(Every living entity is an eternal servant of Krishna.)



His teachings provide the ultimate solution to the suffering of this age:

Kali Santarana Upanishad states:

"In this age of quarrel and hypocrisy, the only means of deliverance is the chanting of the holy names of the Lord. There is no other way, no other way, no other way."

Just as an expert doctor prescribes the most effective cure for an ailing patient, Sri Chaitanya introduced the Hare Krishna Mahamantra as the ultimate spiritual remedy for the suffering souls of Kali-yuga.

The Legacy of Sri Chaitanya Mahaprabhu

Today, the Gaudiya Vaishnavas continue to spread the sankirtana movement worldwide. Sri Chaitanya's teachings live on through the works of His followers, including:

- The Six Goswamis of Vrindavan, who systematized His teachings into Bhakti literature.
- Srila Bhaktivinoda Thakura, who revived Gaudiya Vaishnavism in modern times.
- Srila Bhaktisiddhanta Sarasvati Thakura, who expanded the movement beyond India.
- Srila A.C. Bhaktivedanta Swami Prabhupada, who carried Lord Chaitanya's message to every corner of the world through the International Society for Krishna Consciousness (ISKCON).

As prophesied, the chanting of the holy names has now spread to every town and village, fulfilling Lord Chaitanya's divine mission.

This Gaura Purnima, let us honor the hidden glory of Lord Chaitanya's mercy by engaging in sankirtana, kirtan, and the service of His devotees. By His grace, may we all attain the ultimate treasure of Krishna-prema.





Upcoming events:



आगामी कार्यक्रम

✿ Gaura Purnima (14th March)

The appearance of the Lord in Kaliyuga, is an auspicious sign during a time defined by inauspiciousness. The Lord appears in a hidden incarnation as Chaitanya Mahaprabhu, in the form of a devotee. He does so to exemplify the principles of devotional life, teaching by example, for the unfortunate souls of Kali. His advent leads to the establishment of the yuga dharma of Harinama sankirtana, the only way to tide over this dark age. Distributing Krishna prema freely and indiscriminately, Gauranga Mahaprabhu, appears on the full moon night of Magha Purnima. His appearance is a day to celebrate His mercy and grace.

The festival of Gaura Purnima will be a grand affair, steeped in devotion and prayerful mood. There will be a shobha yatra on 9th March, when Gaura Nitai will step out to bless people with Their darshans amidst chanting and dancing devotees, re-creating the sankirtana movement of Mayapur. The Adivasa ceremony on 13th March, will invoke auspiciousness for the festivities. Gaur Purnima will be celebrated with maha abhishek at moonrise, followed by bhoga offering and sandhya arti. The chanting of the holy names, the blissful kirtan and the exhilarating energy of the devotees, will be remarkable. This will be followed by a feast.



✿ Gaura Purnima Festival in Mayapur

In the holy birth place of Chaitanya Mahaprabhu, the Gaura Purnima festival is the time for the whole world to congregate there, to experience and get a glimpse of the spiritual world. Sravana Utsava from 21st February, sounds the bugle for devotees to fill the cups of their ears, with spiritual, nectarean discourses, purifying and elevating their consciousness. A flag hoisting ceremony will be held to inaugurate the festivities, followed by the Kirtan Mela, from 25th February to 1st March. Devotees from all around the world perform the Navadvipa Mandala Parikrama from 2nd March. The celebration will culminate with the abhishek of Gaura Nitai, on the auspicious occasion of Gaura Purnima.

✿ गौर पूर्णिमा (14 मार्च)

कलियुग में भगवान् का प्राकट्य, अमङ्गल से परिभाषित समय के अन्तर्गत एक शुभ संकेत है। भगवान् गुप्त अवतार में, एक भक्त, श्री चैतन्य महाप्रभु के रूप में प्रकट होते हैं। वह कलिकाल के दुर्भाग्यपूर्ण जीवात्माओं को शिक्षा देने हेतु दृष्टांत प्रस्तुत करते हुए एवं भक्तिपूर्ण जीवन के सिद्धांतों का उदाहरण रखने को ऐसा करते हैं। उनके आगमन से हरिनाम संकीर्तन के युग धर्म की स्थापना हुई, जो इस अंधकारपूर्ण युग से उबरने की एकमात्र विधि है। बिना किसी भेदभाव के कृष्ण प्रेम को स्वतंत्र रूप से वितरित करते हुए, गौरांग महाप्रभु, फाल्गुन पूर्णिमा की रात को प्रकट होते हैं। उनका प्राकट्य दिवस उनकी दया और कृपा का उत्सव मनाने का दिन है।

गौर पूर्णिमा का उत्सव एक भव्य आयोजन होगा, जो भक्ति और प्रार्थना के भाव में होगा। 9 मार्च को एक शोभा यात्रा होगी, जब गौर नित्ताई, मंत्रोच्चार और नृत्य करते भक्तों के मध्य, अपने दर्शन के साथ श्रद्धालुओं को आशीर्वाद देने हेतु निकलेंगे। मायापुर में संकीर्तन आंदोलन को पुनः सुचारु करेंगे। 13 मार्च को आदिवास समारोह, उत्सव के लिए सर्व मङ्गल का आह्वान करेगा। गौर पूर्णिमा चंद्रोदय पर महाअभिषेक, उसके बाद भोग अर्पण और संध्या आरती के साथ मनाई जाएगी। पवित्र नामों का जाप, आनंदमय कीर्तन और भक्तों की उत्साहवर्धक ऊर्जा, उल्लेखनीय होगी। इसके उपरान्त भोज प्रसाद होगा।

✿ मायापुर में गौर पूर्णिमा महोत्सव

श्री चैतन्य महाप्रभु की पवित्र जन्मस्थली में, गौर पूर्णिमा उत्सव पूरी दुनिया के लिए वहाँ एकत्र होने, आध्यात्मिक जगत का अनुभव करने और उसकी एक झलक पाने का समय है। 21 फरवरी से श्रवण उत्सव, भक्तों के लिए आध्यात्मिक, अमृतमय प्रवचनों से उनके श्रवण रंघों को आप्लावित करने, उनकी चेतना को शुद्ध एवं उन्नत करने का बिगुल है। उत्सव का उद्घाटन करने हेतु एक ध्वजारोहण समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसके पश्चात 25 फरवरी से 1 मार्च तक कीर्तन मेला आयोजित किया जाएगा। संसार भर से पहुँचे श्रद्धालु 2 मार्च से नवद्वीप मंडल परिक्रमा करेंगे। गौर पूर्णिमा के शुभ अवसर पर गौर नित्ताई के अभिषेक के साथ उत्सव का समापन होगा।



PREACHING CENTRES AROUND DELHI NCR

ISKCON, EAST OF KAILASH

Chirag Delhi-168, Sejwal Chowpal, Near Subzi Mandi
Chirag Delhi, New Delhi-110017
Contact at: 9911717110, 9910381818, 9810484885
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Okhla- Chhuria Muhalla Chowpal, Tehkhand Village
Okhla, Phase - I, New Delhi-110020
Contact at: 8588991778, 9810016516, 9911613165, 9971755934
Program: Every Tuesday, Evening 7 PM to 9 PM

Kotla Mubarakpur- Shri Omkareshwar Shiv Mandir
(Panghat wala), Gurudwara Road
Opp. Sher Singh Bazar, Kotla Mubarakpur, New Delhi-110003
Contact at: 9350941626, 9818767673, 9311510999
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Khanpur- B-192-B, Jawahar Park, Devli Road
(Near Cambridge School), Khanpur, New Delhi-110062
Contact at: 9818700589, 9810203181, 9910636160
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Hari Nagar, Ashram- 217, Saini Chaupal, Ashram Or 119, VIIT Computer
Institute (Basement)
Hari Nagar, Ashram, New Delhi-110014
Contact at: 9811281521, 011-26348371
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

East Vinod Nagar-E - 322, Gali No. 8, East Vinod Nagar, Delhi-110091
Contact at: 9810114041, 9958680942
Program: Every Saturday, Evening 6.30 PM to 8.30 PM

Sriniwas Puri-Sanatan Dharam Durga Mandir
1st Floor, J J Colony near to Gurudwara, Sriniwas Puri,
New Delhi-110065
Contact at: 9711120128, 9654537632
Program: Every Wednesday, Evening 7.30 PM to 9 PM

Sangam Vihar- E-6/102, Near Mahavir Vatika
Sangam Vihar, New Delhi-110080,
Contact at: 9212495394, 9810438870
Program: Every Sunday: Evening 5 PM to 8 PM
Every Morning: 5 AM to 7 AM (Mantra Meditation)
Every Evening: 7 PM to 9 PM (Aarti)

Boat Club-Rajpath Lawn near Central Secretariat Metro Station,
New Delhi -110001, Every Wednesday 1PM -2 PM
Contact : 9560291770, 9717647134

Panchsheel Enclave-ISKCON DIVE, A-1/7 Panchsheel Enclave,
New Delhi-110017

Mayur Vihar-Srivas Angan Namahatta Center, 223-A Pkt.
C ph.2 Mayur Vihar
Every Saturday 5.30 - 7.30 PM
Contact ~ 9971999506 & 9717647134

Sarojini Nagar-Bharat Sewak Samaj Nursery School, Opp. Keshav Park,
Sarojini Nagar Market, New Delhi - 110023
Every Monday 6 PM to 8 PM
Contact : 9899694898, 9311694898

Lodi Road-Pocket - 2 Park, Lodhi Road Complex, New Delhi - 110003
Every Saturday 5 PM to 7 PM
Contact : 9868236689, 8910894795

R.K.Puram-DMS Park (Opp. House No. 238), Sector - 7, R.K. Puram,
New Delhi -22, Every Sunday 5 PM to 7 PM
Contact: 9899179915, 860485243, 8447151399

Gole Market-Model Park, Sector - 4, DIZ Area, Gole Market,
New Delhi - 110001
Every Saturday 5 PM to 7 PM
Contact: 9560291770, 9717635883

Sant Kanwar Ram Mandir-6.15pm. Every MONDAY at Jal Vihar Road,
Lajpat Nagar -2, New Delhi Contact- 9971397187.

East of Kailash-Katha - Amritam, 6.45 pm every Sunday, Venue- Prasadam
Hall, ISKCON Temple, Contact: 99582 40699, 70113 26781.

East of Kailash-Yashoda Angan, 6.45pm every Sunday, Venue- JCC Room,
Iskcon temple, East of Kailash, Contact:- 97110 06604

ISKCON, GURUGRAM

RADHA KRISHNA MANDIR-New Colony, Gurugram,
Every Saturday-6:30 to 8:30PM
Melodious Kirtan, Discourse on wisdom of Bhagvad Gita and Krishna Prasadam

Rail Vihar Community Center

Sec 47, Gurugram, Every Wednesday 7:00 to 9:30PM, Melodious Kirtan,
Discourse on wisdom of Bhagvad Gita and Krishna Prasadam

Katwaria Sarai - F 117, Basement, Near well No 1, Katwaria Sarai
New Delhi 110016. Contact: +91 75033 48819, Youth program - Every Friday 7.30
PM. Family program - Every Saturday 7.30 PM

Ladosarai - F-6, Hare Krishna wali Gali, Near Panchayat Bhawan, Ladosarai,
New Delhi-110030. Contact No.: 7011003974, 9888815430, 9717600814. Youth
Program: Tuesday 07:30 PM; Congregation Program: Sunday- 5:00 PM

Mehrauli - Opposite Agarwal Dharmashala, Mehta chowk,
Ward no 8, Mehrauli , New Delhi 110030.
Contact: 9711862441, 9911399960, 9810565805.
Congregation Program: Every Saturday, 4-6 PM;
Youth Program: Every Sunday, 4-5PM

Chattarpur - Nitin Niwas H. No. 133, Chattarpur, Near Tyagi Chaupal,
Near Axis Bank ATM, South Delhi, 110074,
Contact: 9910290149
Program: Every Sunday 5.30PM To 7.30PM

Aya Nagar 1- Shiv Hansa Complex, Phase VI, G Block, Bandh Road,
Opp Max Gain Shopping Centre, Aya Nagar.
Contact: 9953891845,8860681843, Program: Every Sunday, 6 To 8 PM

Aya Nagar 2- Opp MCD School, Near Easy Day, Main Road, Aya Nagar, Delhi.
Contact: 9899729858, 8368656274
Program: Every Sunday 4 To 6 PM

Malviya Nagar - 90/77, Basement, Behind Malviya Hospital, Malviya Nagar.
Contact No. 8097263066, Program: Every Saturday 6PM Onwards

Khirki Extension - JG-35, Near Krishna Temple, Inside Left Street, Khirki
Extension. Contact No. +91 98911 27996
Program: Every Sunday 5 PM Onwards

Kishan Garh - H.No.602, Ward No.3, Bhuiyan Chowk ,Gaushala Road
Kishangarh,Vasant Kunj. Contact No- 8447358738
Every Sunday, 3:00 PM onwards

Sangam Vihar - D-170, Gali no. 4, Hare Krishna Centre Barsana Dham,
Nearby Sona Sweets, Sangam Vihar, New Delhi-110080.
Contact number:- 8851286364, 8447042470, Every Saturday; 6:00 PM-8:00PM;
Every Friday and Sunday; 5:30-7:00AM onwards

East Of Kailash - 194 FF Amritpuri Garhi, East of Kailash, Near MCD School,
New Delhi-110065. Contact: 9811347826, 9990503548.
Youth Program:- Saturday 7:00 PM

Ber Sarai - House number -2, Near Government Dispensary, BerSarai, New Delhi,
Contact - 8882347935,7065835531
Youth Program : Monday 7:00PM, Congregation Program : Saturday 4:00PM

Vasant Kunj - B100 (Basement), B Block, Mother Dairy, Vasant Kunj Enclave,
New Delhi-110070. Contact No.: 8860246574, 8879005088.
Every Sunday- 04:00 PM

Saket - C-109, Ground Floor, Near Mother Dairy, Paryavaran Complex, Saket,
New Delhi-110030, Contact: 8287713680, 8130505488, 9667427986
Youth Program: Saturday 07:00 PM; Congregation Program: Friday 07:00 PM

Tigri Extension - C-10 Hare Krishna Centre, Maha Shiv Shakti Mandir,
Tigri Extension, New Delhi-110080. Contact: 8851286364, 9810433117
Every Sunday, 11:00am - 1:00PM

Ghitorni - House no. 270, Balmiki choupal, Near Kali Mata Mandir, Ghitorni,
New Delhi-1100030, Contact No. -9975756916,7065835531
Youth Program- Thursday-7:00PM

Sultanpur - 2nd floor,Waliya house,near Gurudwara, Sultanpur, Delhi 110030.
Contact-9667478077. Youth program-Sunday 7:00 PM;
Congregation Program-Friday 5:00 PM

Prahlad Pur - A-132, DDA Flats, Prahladpur New Delhi 110044
Contact: 9999464382, 9650543321, Every Sunday 04:00 PM

Paharganj - 1st Floor, Radha Krishna Mandir, Near Jain Mandir, Mantola,
Paharganj, Contact No. 9818188182; 9810224106
Program: Every Saturday 7:00 To 8:00 PM

Nitya Seva

Nitya Seva-Niswartha Seva is a selfless monthly donation program for serving the Lord. It's purely voluntary, based on the desire, inclination and capability of the donor. The mode of donation could be through cash, cheque or ECS. One can choose to donate any amount as Lord Krishna sees our intent behind that donation. A formal receipt will be provided for each donation. For more details,

- Sri Sri Radha Parthasarathi Nitya Vighraha Sewa including bhoga offerings (fruits, vegetables, dry fruits, wheat flour, sugar, desi ghee, etc), deity dresses, deity jewellery and other paraphernalia, Please contact HG Janmashtami Chandra Prabhu @ 7011326781, 9999035120
- For ISKCON, East of Kailash, Please contact HG Baladeva Sakha Prabhu @ 9312069623
- For ISKCON, Punjabi Bagh, Please contact HG Premanjana Prabhu @ 9999197259.
- For ISKCON, Dwarka, Please contact HG Archit Prabhu @ 9891240059.
- For ISKCON, Gurugram, Please contact HG Narhari Prabhu @ 9034588881.
- For ISKCON, Faridabad, Please contact HG Ravi Shravan Prabhu @ 9999020059
- For ISKCON Panchsheel, Please contact HG Advaita Krishna Prabhu @ 9810630309/HG Rasraj Prabhu @ 9899922666
- For ISKCON East Delhi, Please contact @ 98115 10090



International Society for Krishna Consciousness

Founder Acharya - HDG A.C. Bhaktivedanta Swami Prabhupada

ISKCON, East of Kailash - Hare Krishna Hill, East of Kailash, New Delhi-65

Web: www.iskcondelhi.com | Live Darshan: live.iskcondelhi.com

Facebook: www.facebook.com/iskcondelhi, Contact: 011-43618748, 43711307, 7042836300

ISKCON, Punjabi Bagh - 41/77, Srila Prabhupada marg,
West Punjabi Bagh, Delhi-26
Contact Person: HG Premanjana Prabhu (8802212763)

ISKCON, Dwarka - Plot No.-4, Sector-13, Dwarka, New
Delhi-110075 Web: iskcondwarka.org, Facebook: www.facebook.com/iskcon.dwarka/ Contact: 9891240059, 8800223226

ISKCON, Gurugram - Sudarshan Dham, Main Sohna Road,
Badshahpur, Gurugram
Contact Person: HG Narhari Prabhu : 9034588881

ISKCON, Faridabad - Sri Sri Radha Govind Mandir, Gita Bhawan,
C-Block, Ashoka Enclave-II, Sector-37, Faridabad,
Phone : 0129-4145231, Email : gopisvardas@gmail.com

ISKCON, Bahadurgarh - Nahara-Nahari Road, Line Par
Bahadurgarh,
Haryana - 124507, Phone: +91-9250128799
Email: info@iskconbahadurgarh.com

ISKCON, Rohini - Plot No-3, Institutional Area, Main Road,
Sector-25, Rohini New Delhi 110085
Phone: +91-9871276969
Email: iskcon.rohini@gmail.com

ISKCON Gurugram (Badshahpur) - Sudarshan Dham,
Gurgaon-Sohna Road, Badshahpur, Gurgaon (2.5kms from Vatika
Business park), Gurugram, Haryana 122001
Phone: +91-9250128799, Email: info@iskconbahadurgarh.com

ISKCON Ghaziabad - 11, ISKCON CHOWK R,
35, Hare Krishna Marg,
Block 11, Raj Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh 201002
Phone: 081309 92863, Email: iskcon.ghaziabad@pamho.net

ISKCON Chhattarpur - Village Near Shani Dham Mandir, Asola,
Fatehpur Beri, New Delhi, Delhi 110074
Phone: 099537 40668

ISKCON Gurugram - ISKCON, Plot No 0,
Near Delhi Public School,
Sector-45, Gurugram, Haryana-122003
Phone: 09313905803, 08920451444, 09810070342
Email: iskcongurugram.sec45@gmail.com

Sri Sri Radha-Vallabh Temple - 2439, Chhipiwara, Chah Rahat,
Jama Masjid Rd, Old Delhi, Delhi-110006
Phone: 098112 72600

Sri Sri Radha Govind Dev Temple - Opposite NTPC Office, A-5,
Maharaja Agrasen Marg, Block A, Sector 33, Noida, Uttar
Pradesh-201301
Phone: 095604 76959

ISKCON East Delhi - Hare Krishna Center
12/115 Geeta Colony, Delhi-110031
Phone: +91 98115 10090, Email: iskcon.del@gmail.com